https://kvsangathan.nic.in/ | @KVSHQ | @KVS_HQ | @kvshqr | KVS HQ

नई दिल्ली | के.वि.सं. (मु.)

संस्करण: दिसंबर 2025
वर्ष-1, अंक- 6
4 पृष्ठ

केन्द्रीय विद्यालय क्रॉनिकल

तत् त्वं पूषन् अपावृणु

संपादकीय

वंदे मातरम् @ 150

केन्द्रीय विद्यालयों में एक साथ – एक स्वर में गूंजा राष्ट्र गीत

7 नवंबर 2025 को देशभर के केन्द्रीय विद्यालयों में वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में विशेष कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। राष्ट्रगीत के पूर्ण संस्करण को विद्यार्थियों द्वारा सामूहिक स्वर में गाया गया, जिसने बंकिम चन्द्र चट्टोपाध्याय को भावपूर्ण श्रद्धांजलि देते हुए स्वतंत्रता संग्राम की स्मृतियों को जीवंत कर दिया।

1875 में रचित वंदे मातरम् ने भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में एक निर्णायक भूमिका निभाई थी। साहित्यिक उत्कृष्टता और राष्ट्रभावना के संगम से उपजे इन अमर शब्दों ने उस दौर में जनता के भीतर साहस, एकता और संकल्प की नई चेतना भरी थी। केन्द्रीय विद्यालयों में उसके आयोजन ने उसी शक्ति और प्रेरणा को पुनः स्मरण कराया।

केन्द्रीय विद्यालय संगठन द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम केवल सांस्कृतिक प्रस्तुति तक सीमित नहीं रहा, बल्कि संगठन के जो प्रमुख उद्देश्यों - राष्ट्रीय एकता को प्रोत्साहन देना और विद्यार्थियों में 'भारतीयता' की भावना विकसित करने की दिशा में एक व्यावहारिक और महत्वपूर्ण माध्यम बना। विभिन्न विद्यालयों में विद्यार्थियों को गीत के इतिहास, संदर्भ और साहित्यिक महत्व से अवगत कराया गया। कई विद्यार्थी पहली बार पूर्ण संस्करण सुनकर उत्सुकता और गर्व से भर उठे।

कार्यक्रमों के दौरान शिक्षकों ने विद्यार्थियों के साथ राष्ट्रगीत की पृष्ठभूमि, स्वतंत्रता आंदोलन में उसकी भूमिका और भारत की विविध सांस्कृतिक परंपराओं से जुड़े विषयों पर चर्चा की। विद्यालयों में आयोजित गतिविधियों ने देशभक्ति, नागरिक दायित्व और राष्ट्रीय प्रतीकों के महत्व पर सार्थक संवाद को बढ़ावा दिया।

केन्द्रीय विद्यालय परिसरों में गूंजे सामूहिक स्वरों ने यह संदेश दिया कि देश की नई पीढ़ी अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़कर जिम्मेदार नागरिक बनने की ओर अग्रसर होगी। वंदे मातरम् के 150 वर्ष का यह उत्सव न केवल अतीत का सम्मान है, बल्कि विद्यार्थियों में राष्ट्रीय स्वाभिमान और संवेदनशीलता की भावना को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल भी है।

वंदे मातरम्!

~ प्राची पाण्डेय
आयुक्त, के.वि.सं.

प्रयास: केन्द्रीय विद्यालयों में जिज्ञासा की अलख

के.वि. के विद्यार्थी राष्ट्रीय सूची में हुए शामिल

डी.पी. पटेल
उपायुक्त (शै.). के.वि.सं. (मु.)

जब बच्चे उत्तर रटने के बजाय सवाल पूछना शुरू करते हैं, तभी असली सीख का आरंभ होता है। एनसीईआरटी की अभिनव पहल प्रयास (Promotion of Research Attitude in Young and Aspiring Students) इसी सोच पर आधारित है। यह कक्षा 9 से 11 तक के विद्यार्थियों को सोचने, प्रयोग करने और अपने आसपास की वास्तविक समस्याओं का समाधान खोजने की स्वतंत्रता देती है। यह पहल विद्यार्थियों में अंकों और प्रतिस्पर्धा की भावना के बजाय यह समझने की जिज्ञासा को बढ़ावा देती है कि चीजें वास्तव में कैसे कार्य करती हैं।

कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थी अपने विद्यालय के शिक्षक तथा किसी उच्च शिक्षा संस्थान के विशेषज्ञ के साथ मिलकर शोध-आधारित विचार विकसित करते हैं। चयनित प्रस्तावों को अपने विचारों के माध्यम से वास्तविक रूप देने हेतु ₹50,000 का अनुदान भी प्रदान किया जाता है। यह अनुदान केवल वित्तीय सहायता नहीं है, बल्कि खोजने, प्रयोग करने, असफल होने, सुधारने और आगे बढ़ने की पूर्ण स्वतंत्रता का प्रतीक है। इस वर्ष सरकारी विद्यालयों की राष्ट्रीय सूची में केन्द्रीय विद्यालयों का प्रदर्शन अत्यंत उल्लेखनीय रहा—20 चयनित सरकारी विद्यालयों में से 18 केन्द्रीय विद्यालयों के विद्यार्थी चुने गए हैं। यह उपलब्धि न केवल उनकी अनुसंधान क्षमता का प्रमाण है, बल्कि विद्यार्थियों की जिज्ञासा, नवाचार और वैज्ञानिक दृष्टिकोण का भी उत्सव है।

प्रयास की यह भावना राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की उस मूल अवधारणा से गहराई से जुड़ी है, जो मौलिक सोच को प्रोत्साहित करने और भारत को वैश्विक ज्ञान-केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में अग्रसर है। केन्द्रीय विद्यालय संगठन के लिए 'प्रयास' एक योजना भर नहीं है, बल्कि शिक्षा के क्षेत्र में क्रांति के समान है। यह स्पष्ट संदेश देता है कि शोध किसी उच्च स्तरीय प्रयोगशाला में ही नहीं, बल्कि एक साधारण स्कूल लैब में—एक जिज्ञासु प्रश्न और साहसी दिमाग के साथ—भी शुरू हो सकता है।

देश की हर पीढ़ी में सपने देखने वाले होते हैं, लेकिन राष्ट्र तभी आगे बढ़ता है जब उसके बच्चे "क्यों?" और "क्यों नहीं?" जैसे प्रश्न पूछने का साहस रखते हैं और प्रयास उसी भावना को प्रज्वलित कर रहा है।

देशभर के के.वि. में दिखी "हमारा संविधान - हमारा स्वाभिमान" की भावना

केन्द्रीय विद्यालय संगठन ने देशभर के अपने सभी विद्यालयों और कार्यालयों में संविधान दिवस को बड़े उत्साह और गरिमापूर्ण तरीके से मनाया। के.वि.सं. मुख्यालय में अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने प्रातः 11 बजे संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन किया। इसी प्रकार देशभर के केन्द्रीय विद्यालयों में विद्यार्थियों और शिक्षकों ने एक साथ प्रस्तावना पढ़कर भारत के लोकतांत्रिक मूल्यों, न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व के प्रति अपनी प्रतिबद्धता पुनः व्यक्त की। विद्यालयों में संविधान दिवस के अवसर पर विविध गतिविधियाँ आयोजित की गईं, जिनमें संवैधानिक अधिकारों और कर्तव्यों पर आधारित वक्तव्य, परिचर्चाएँ, संगोष्ठियाँ, क्विज़ प्रतियोगिताएँ, निबंध लेखन और चित्रकला प्रतियोगिताएँ शामिल रहीं। विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर संविधान की मूल भावना को समझने और आत्मसात करने का संदेश दिया।

संविधान दिवस थीम

संविधान दिवस की इस वर्ष की राष्ट्रीय थीम "हमारा संविधान – हमारा स्वाभिमान" के अंतर्गत संगठन ने विद्यालयों में थीम आधारित बैनर, लोगो, पोस्टर और प्रेरक वीडियो प्रदर्शित किए, जिससे समारोह अधिक रोचक और सहभागितापूर्ण बना। संविधान दिवस का यह व्यापक आयोजन केन्द्रीय विद्यालय संगठन की उस प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है, जिसके माध्यम से वह प्रत्येक विद्यार्थी में नागरिक चेतना, संवैधानिक मूल्यों के प्रति सम्मान और राष्ट्र निर्माण की भावना विकसित करने के लिए सतत प्रयासरत है। इस दौरान संगठन ने डिजिटल माध्यमों का भी प्रभावी उपयोग किया।

केन्द्रीय विद्यालय अगस्त्यमुनि

रचनात्मकता को मिला नया मंच

विद्यान्जलि के माध्यम से के.वि. मल्लेश्वरम में खुला पॉडकास्ट का संसार

ताजुद्दीन शेख
उपायुक्त, के.वि.सं. संभाग, बेंगलुरु

शिक्षा मंत्रालय की पहल विद्यान्जलि पोर्टल ने पूर्व विद्यार्थियों और नागरिकों को विद्यालयों से जोड़कर सहयोग की नई मिसाल पेश की है। यह मंच सद्भावना को संसाधनों में, और इच्छाशक्ति को वास्तविक योगदान में बदलते हुए शिक्षा के क्षेत्र में साझेदारी का अनोखा मॉडल बनकर उभरा है। विद्यान्जलि के माध्यम से कोई भी नागरिक—सेवानिवृत्त शिक्षक, युवा पेशेवर, खिलाड़ी, कलाकार, यहाँ तक कि कॉलेज के विद्यार्थी विद्यालयों की मदद के लिए आगे आ सकते हैं। इस पहल के तहत कोई समय देता है, कोई विशेषज्ञता, और कोई संसाधन देकर बच्चों के लिए अवसरों के नए दरवाज़े खोलता हैं।

पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय मल्लेश्वरम में विद्यान्जलि के माध्यम से तीन परियोजनाएँ सफलतापूर्वक लागू की गईं। इनमें सबसे उल्लेखनीय है पॉडकास्ट स्टूडियो, जो अब विद्यार्थियों की आवाज़ों, विचारों और रचनात्मकता का केंद्र बन चुका है। यहाँ छात्र स्क्रिप्ट तैयार करते हैं, रिकॉर्डिंग करते हैं, ऑडियो संपादित करते हैं और समाज में शिक्षा से जुड़े मुद्दों पर चर्चाएँ करते हैं। यह स्थान संकोची विद्यार्थियों को मंच देता है और सीखने को एक नए, अनुभवात्मक रूप में बदल देता है।

इस स्टूडियो की स्थापना के.वि. मल्लेश्वरम् एलुमनाइ ट्रस्ट के सहयोग से संभव हुई, जिसने विद्यालय को उपकरण और तकनीकी सहायता प्रदान की। विद्यार्थी अब इस स्टूडियो का उपयोग इंटरव्यू रिकॉर्डिंग, थीम-आधारित पॉडकास्ट निर्माण, पब्लिक स्पीकिंग अभ्यास और डिजिटल स्टोरीटेलिंग के कौशल विकसित करने के लिए कर रहे हैं। यह स्थान कुछ ही समय में कक्षा, न्यूज़रूम और रचनात्मक प्रयोगशाला का संगम बन गया है।

विद्यान्जलि सिर्फ एक पोर्टल नहीं, बल्कि यह संदेश है कि जब समाज साथ में आता है, तो बच्चों की उड़ान और ऊँची हो जाती है। और जब ज्ञान साझा किया जाता है, तो वह आने वाली पीढ़ियों का भविष्य संवार देता है।

"जब समाज मिलजुल कर आगे आता है, तब प्रत्येक बच्चे का भविष्य चमक उठता है।"

सफलता की कहानी और श्रेष्ठ कार्यप्रणालियां

SUCCESS STORY

लहरों पर लिखी जीत

सुब्रह्मण्य के 25 स्वर्ण पदकों की अद्भुत दास्तान

सुब्रह्मण्य जीवांश
के.वि. मल्लेश्वरम, बेंगलुरु के प्रतिभाशाली छात्र

मैं सुब्रह्मण्य जीवांश, केन्द्रीय विद्यालय मल्लेश्वरम, बेंगलुरु का प्रतिभाशाली छात्र और एक उत्साही व जूनियर तैराक हूँ। एक प्रतिभाशाली तैराक के रूप में मेरी यात्रा कोविड-19 महामारी के बाद अप्रत्याशित रूप से शुरू हुई, जब मैंने शारीरिक और भावनात्मक मजबूती वापस पाने के लिए स्विमिंग पूल का सहारा लिया। जो एक दिनचर्या के रूप में शुरू हुआ था और धीरे-धीरे एक प्रबल जुनून में बदल गया—एक ऐसा जुनून जो आज मुझे भारत का प्रतिनिधित्व करने के सपने को साकार करने के लिए प्रेरित करता है। इसी प्रेरणा ने मुझे राज्य और राष्ट्रीय स्तर का तैराक बनाया। पिछले वर्षों में अनुशासित प्रशिक्षण और अटूट दृढ़ता के बल पर, मैंने राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर 25 से अधिक स्वर्ण पदक जीते हैं और भारत भर में कई न्यू मीट रिकॉर्ड भी स्थापित किए हैं।

कर्नाटक मिनी ओलंपिक 2025 में कर्नाटक के मा. गृहमंत्री, श्री जी. परमेश्वर से इंडिविजुअल चैंपियन ट्रॉफी प्राप्त करना और कर्नाटक 2025 के संसद खेल महोत्सव में खेल उत्कृष्टता के लिए मा. केंद्रीय मंत्री, श्रीमती शोभा करंदलाजे द्वारा प्रदत्त संसद खेल महोत्सव पुरस्कार हासिल करना मेरे लिए अविस्मरणीय सम्मान हैं। यह यात्रा केन्द्रीय विद्यालय संगठन और मेरे विद्यालय के अटूट सहयोग के बिना संभव नहीं थी। सही समय पर के.वि.सं. ने कदम बढ़ाया और मुझे जूनियर नेशनल स्विमिंग चैंपियनशिप में भाग लेने का अवसर दिया, भले ही कार्यक्रम की तिथियों का टकराव SGFI ट्रायल्स से हो रहा था—लेकिन मेरी खेल यात्रा प्रभावित न हो, इसका पूरा ध्यान रखा गया। मेरे विद्यालय ने मुझे अकादमिक और प्रशिक्षण के बीच संतुलन बनाने की स्वतंत्रता और समझ दी—एक ऐसा समर्थन जिसने मेरी सफलता की नींव रखी। मैं हर लैप के साथ अपने शिक्षकों के प्रोत्साहन, अपने विद्यालय के गर्व और के.वि.सं के विश्वास को साथ लेकर आगे बढ़ता हूँ। निरंतर मेहनत और हृदय में कृतज्ञता के साथ, मैं आगे बढ़ना चाहता हूँ, अपने विद्यालय, अपने राज्य और अपने देश का नाम रोशन करने का संकल्प लिए हुए।

"अनुशासित प्रशिक्षण और अटूट दृढ़ता के साथ, मैंने राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर 25 से अधिक स्वर्ण पदक जीते हैं और पूरे भारत में कई नए मीट रिकॉर्ड स्थापित किए हैं।"

बुक डोनेशन ड्राइव: ज्ञान का दान, खुशियों का सम्मान

BEST PRACTICE

श्रीमती मंजू पाठक
स्नातकोत्तर शिक्षक (जीव विज्ञान), पीएम श्री के.वि. कोलिवाड़ा

पुस्तकें केवल ज्ञान का स्रोत नहीं होतीं, वे कल्पना को उड़ान देती हैं और विचारों को नयी दिशा प्रदान करती हैं। इसी भावना के साथ पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय, कोलीवाड़ा में "बुक डोनेशन ड्राइव" का उत्साहपूर्वक आयोजन किया गया। यह पहल विद्यार्थियों में पठन-संस्कृति को बढ़ावा देने, साझा करने की भावना विकसित करने और पुस्तकालय को समृद्ध बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों की उत्साहपूर्ण भागीदारी

इस अभियान में विद्यार्थियों, शिक्षकों तथा कर्मचारियों के साथ-साथ अभिभावकों ने भी पूरे मन से सहभागिता की। विद्यालय परिसर में आकर्षक पोस्टर लगाए गए और प्रवेश द्वार को सजाया गया। इस दौरान "बुक डोनेशन बॉक्स" (एक पुस्तक दें, मुस्कान बाँटें!) ने सभी को आकर्षित किया। दान की गई पुस्तकों में रहस्य कथा, परीकथाएँ, ज्ञानवर्धक विश्वकोश, प्रेरणादायक साहित्य और रोचक कॉमिक्स शामिल रहीं। प्रत्येक पुस्तक के साथ व्यक्तिगत भावनाएँ भी जुड़ी थीं। कई पुस्तकों में दानकर्ताओं द्वारा लिखे गए संदेश, हस्ताक्षरित पंक्तियाँ और सुंदर बुकमार्क भी संलग्न थे, जिनसे इस अभियान में भावनात्मक जुड़ाव और गहराई आई।

पुस्तकालय में खुशी की लहर

दान की गई पुस्तकें विद्यालय के पुस्तकालय में सुसज्जित की गईं, जिससे पुस्तकालय का वातावरण और अधिक जीवंत हो उठा। अब पठन सत्र में विद्यार्थियों के लिए नई पुस्तकों की खोज और भोजनावकाश में पुस्तक अनुशंसाओं का आदान-प्रदान एक रोचक गतिविधि बन गया है। पुस्तकालय में ऊर्जा, उत्साह और पढ़ने के प्रति अपनापन स्पष्ट तौर पर देखा जा रहा है।

अभियान का उद्देश्य और सफलता

इस पहल को लेकर विद्यालय परिवार का मानना है कि यह अभियान केवल पुस्तकों की संख्या बढ़ाने तक सीमित नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों में पठन के प्रति रुचि जगाने, रचनात्मकता को प्रोत्साहित करने और साझा करने के मूल्य स्थापित करने की दिशा में एक सार्थक प्रयास है। अभियान की सफलता इस बात से स्पष्ट है कि यहाँ महत्वपूर्ण पुस्तकें नहीं, बल्कि उनसे जुड़ने वाले मन और दिलों की गिनती रही।

के. वि. सं. में सांस्कृतिक कार्यक्रम

के.वि. सॉल्ट में दिखा देशभक्ति का अनोखा संगम

7 नवम्बर 2025: मा. शिक्षा राज्य मंत्री, भारत सरकार डॉ. सुकांत मजूमदार ने पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय नंबर 2, सॉल्ट लेक के विद्यार्थियों के साथ राष्ट्रीय गीत "वंदे मातरम्" के 150 वर्ष पूरे होने का उत्सव मनाया। यह कार्यक्रम एकता और देशभक्ति की गहन भावना से ओत-प्रोत रहा और उन स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि के रूप में आयोजित किया गया, जिन्होंने वंदे मातरम् का उद्घोष करते हुए हँसते-हँसते फाँसी के फंदे को गले लगा लिया था। इस विशेष आयोजन के माध्यम से केन्द्रीय विद्यालय संगठन ने एक बार फिर यह सिद्ध किया कि वह देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को संजोने के साथ-साथ विद्यार्थियों में रचनात्मकता, कला और राष्ट्रीय गर्व की भावना को निरंतर प्रोत्साहित करता रहता है।

भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर विशेष आयोजन

भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के अवसर पर देशभर के सभी केन्द्रीय विद्यालयों में 1 से 15 नवंबर तक जनजातीय गौरव पखवाड़ा मनाया गया। पखवाड़े के दौरान भगवान बिरसा मुंडा की अद्वितीय राष्ट्रसेवा, संघर्षशील नेतृत्व और जनजातीय समाज की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को स्मरण करते हुए उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस दौरान विद्यार्थियों ने जनजातीय इतिहास, स्वतंत्रता आंदोलन में उनकी भूमिका और सामाजिक-आर्थिक योगदान पर उत्साहपूर्वक भाषण, कविताएँ और समूह गीत प्रस्तुत किए। विद्यालयों में जनजातीय संस्कृति की विविध झलक - लोकनृत्य, पारंपरिक वेशभूषा प्रदर्शन, आदिवासी कला-शिल्प प्रदर्शनी और क्विज़ प्रतियोगिताएँ देखने को मिली। इन गतिविधियों ने विद्यार्थियों को जनजातीय जीवन के गहरे सांस्कृतिक, पर्यावरणीय और नैतिक मूल्यों से अवगत कराया। साथ ही भारत सरकार द्वारा जनजातीय कल्याण हेतु स्वास्थ्य एवं पोषण, शिक्षा एवं कौशल विकास, बुनियादी ढांचे का विकास, कला-संस्कृति और आजीविका संवर्धन जैसे क्षेत्रों में चलाए जा रहे कार्यक्रमों की जानकारी भी दी गई। कार्यक्रमों में 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' की भावना को विशेष रूप से रेखांकित किया गया।

के.वि.सं. आयुक्त ने किया पीएम श्री के.वि. का दौरा

केन्द्रीय विद्यालय संगठन की आयुक्त सुश्री प्राची पाण्डेय ने नवंबर माह में देशभर के कई पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालयों का निरीक्षण किया, जहां प्रत्येक विद्यालय में उनका गर्मजोशीपूर्ण स्वागत किया गया। निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने विद्यार्थियों से संवाद स्थापित किया तथा उनके नवाचारों और परियोजनाओं पर विस्तृत एवं सारगर्भित चर्चा की। अपने दौरे की शुरुआत में, 15 नवंबर 2025 को उन्होंने पीएम श्री के.वि. रोहतक का निरीक्षण किया। यहां उन्होंने पीएम श्री योजना के अंतर्गत स्थापित वोकेशनल लैब का विधिवत उद्घाटन किया। इसके पश्चात, 24 नवंबर को आयुक्त ने पीएम श्री के.वि. क्र. 1 एवं क्र 2, जालाहल्ली का दौरा किया। यहां भी उन्होंने विद्यार्थियों में कौशल-आधारित, अनुभवात्मक और रोजगारोन्मुखी शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विकसित की गई नव स्थापित वोकेशनल लैब का उद्घाटन किया। नवंबर महीने के अपने पीएम श्री विद्यालयों के निरीक्षण क्रम में, उन्होंने 25 नवंबर को पीएम श्री के.वि. मल्लेश्वरम का भ्रमण किया। यहां उन्होंने के.वि.सं. के पॉडकास्ट स्टूडियो का उद्घाटन किया तथा विद्यांजलि पहल के तहत विकसित AR/VR लैब का लोकार्पण भी किया। इसी दिन, उन्होंने पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय एमईजी एवं सेंटर बेंगलुरु में विद्यांजलि पहल के अंतर्गत SARD के सहयोग से निर्मित अत्याधुनिक STEM लैब का भी उद्घाटन किया।

स्पेशल स्टोरी

राष्ट्रीय एकता पर्व 2025

भारत की विविधता का भव्य उत्सव

के.वि.सं. ने चेन्नई में रचा एक अद्वितीय संगम

डॉ. आर. सेंथिल कुमार
उपायुक्त, के. वि. सं. संभाग चेन्नई

चेन्नई, 1 नवंबर 2025: भारत की सांस्कृतिक विविधता, एकता और सामूहिक गौरव का जीवंत संगम—राष्ट्रीय एकता पर्व 2025—इस वर्ष केन्द्रीय विद्यालय आईआईटी चेन्नई के परिसर में धूमधाम से आयोजित हुआ। 30 अक्टूबर से 1 नवंबर तक चले इस भव्य आयोजन में देशभर के 25 क्षेत्रों से 1290 से अधिक विद्यार्थी एवं शिक्षक शामिल हुए। यह पर्व भारत के लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल को समर्पित रहा, जिसकी शुरुआत मा. संयुक्त सचिव, शिक्षा मंत्रालय एवं आयुक्त, केन्द्रीय विद्यालय संगठन, सुश्री प्राची पाण्डेय ने दीप प्रज्ज्वलन और पटेल जी की प्रतिमा अनावरण के साथ की।

विविधता का उत्सव बना के.वि. आईआईटी चेन्नई का परिसर

के.वि.सं. द्वारा आयोजित इस तीन दिवसीय समारोह में प्रत्येक क्षेत्र से 54 विद्यार्थियों (28 प्रतिभागी एक भारत श्रेष्ठ भारत से और 26 कला उत्सव से) ने भाग लिया। विद्यार्थियों ने गीतों, नृत्यों, कहानियों, कलाकृतियों और लोक परंपराओं के माध्यम से भारतीयता के सुरों को जीवंत किया। पूरा परिसर एक जीवंत सांस्कृतिक मोज़ेक में बदल गया।

दो प्रमुख आयाम: एक भारत-श्रेष्ठ भारत और कला उत्सव

एक भारत श्रेष्ठ भारत: कार्यक्रम में सहभागी विद्यार्थियों ने युगल-राज्यों की संस्कृति, लोकगीत, लोकनृत्य, पारंपरिक वस्त्र, पेंटिंग्स और कलाकृतियों का प्रदर्शन किया। इसका उद्देश्य था—भारत की विविधता को जानना, समझना और अपनाना।

कला उत्सव: राज्य स्तरीय कला उत्सव में संगीत (स्वर/वाद्य), नाटक, कथावाचन तथा 2D/3D दृश्य कलाओं की शानदार प्रस्तुतियाँ हुईं। सर्वश्रेष्ठ प्रतिभागी राष्ट्रीय कला उत्सव (एनसीआरटी) में के.वि.सं. का प्रतिनिधित्व करेंगे।

संगठन ने पेश की अद्भुत समन्वय की मिसाल

रंग-बिरंगी प्रस्तुतियों के पीछे के.वि.सं. क्षेत्रीय कार्यालय, चेन्नई का सुविचारित और सूक्ष्म समन्वय एक मुख्य आधार रहा। आवास, परिवहन, मंच एवं परिसर की तैयारियाँ, कार्यक्रमों का समय-संयोजन—हर व्यवस्था को अत्यंत सटीकता के साथ संभाला गया। शिक्षकों, स्वयंसेवकों, निर्णायकों और सहयोगी कर्मचारियों ने पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य किया, जिसके परिणामस्वरूप तीन दिवसीय यह पूरा उत्सव एक सुर में बंधी मधुर धुन की तरह सहजता से आगे बढ़ता रहा।

एक भारत श्रेष्ठ भारत की भावना को साकार करता उत्सव

राष्ट्रीय एकता पर्व ने एकता की अवधारणा को वास्तविक रूप दिया। विद्यार्थियों ने एक-दूसरे के बोली-भाषा, परिधान, परंपराएँ और लोककथाएँ साझा कीं। उन्होंने अनुभव किया कि विविधता कोई दूरी नहीं, बल्कि जोड़ने वाला सेतु है।

एनईपी 2020 के अनुरूप उत्सव

कार्यक्रम में एनईपी 2020 के मूल सिद्धांतों—समग्र विकास, कला-एकीकरण, अनुभवात्मक शिक्षा और बहु-विषयक रचनात्मकता—की स्पष्ट झलक दिखाई दी। यहाँ शिक्षा किताबों से निकलकर जीवन के अनुभवों में बदल गई। राष्ट्रीय

एकता पर्व केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि एक आंदोलन बनकर उभरा—एक ऐसा आंदोलन जो बच्चों को हर संस्कृति की बारीकी का सम्मान करना, भिन्नताओं में सुंदरता खोजना और यह समझना सिखाता है कि एकता समानता में नहीं, बल्कि सामंजस्य में बसती है।

चेन्नई के परिसर में जब संगीत, हंसी और कला की गूंज फैली, तो एक बात स्पष्ट हो गई— भारत की विविधता ही उसकी सबसे बड़ी शक्ति है।

जब भारत की युवा आवाज़ें एक साथ उठती हैं, तो एकता सिर्फ चमकती नहीं, बल्कि महसूस भी होती है।

सीमाओं से परे सीख

विद्यार्थी इस उत्सव से केवल प्रमाणपत्र लेकर नहीं लौटे, बल्कि उससे कहीं अधिक सीखकर लौटे। उन्होंने हासिल किया—

- सांस्कृतिक साक्षरता और विविधताओं के प्रति सम्मान
- नेतृत्व क्षमता, टीमवर्क और आत्मविश्वास
- विभिन्न कला रूपों में रचनात्मक अभिव्यक्ति
- अनुसंधान, नवाचार और प्रस्तुति कौशल

संस्कृत प्रवाह

यस्य कृत्यं न विघ्नन्ति शीतमुष्णं भयं रति ।
समृध्दिरसमृद्धिर्वा स वै पण्डित उच्यते ॥

अर्थ:

जिस व्यक्ति के कर्तव्य, कर्म या ध्येय में न तो ठंड–गर्मी, न भय–लोभ–मोह, और न ही सफलता–असफलता बाधा डालते हैं—

वही सच्चा पंडित, अर्थात् विवेकी, ज्ञानी और स्थिर बुद्धि वाला व्यक्ति कहलाता है।

वीर गाथा 5.0

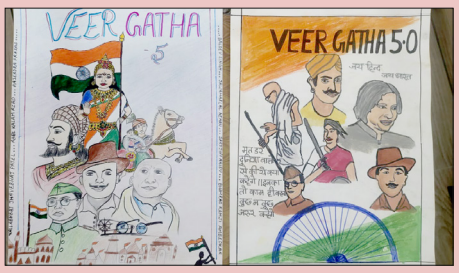

केन्द्रीय विद्यालय संगठन ने हाल ही में "वीर गाथा 5.0" कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें देशभर के विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा और रचनात्मकता का प्रदर्शन किया। इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने कविता पाठ, निबंध लेखन, चित्रकला, मल्टीमीडिया कहानियां, वीडियोग्राफी, एंकरिंग और लघु नाटकों के माध्यम से उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में देशभक्ति, साहस और वीरता की भावना को प्रोत्साहित करना था। विद्यार्थियों ने वीरता पुरस्कार प्राप्त योद्धाओं और प्राचीन सेनानियों की बहादुरी को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया। इसके अलावा, देशभर से प्राप्त अनेकों प्रविष्टियों और प्रत्येक केन्द्रीय विद्यालय की सक्रिय भागीदारी ने कक्षाओं को देशभक्ति और प्रेरणा से सराबोर कर दिया। विद्यालयों में बनाए गए "वीर गाथा कॉर्नर" में विद्यार्थियों ने भारत की सैन्य परंपराओं और वास्तविक वीरता की घटनाओं से प्रेरित परियोजनाओं को प्रदर्शित किया। इस कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों में साहस, कृतज्ञता और नागरिक उत्तरदायित्व जैसी मूल्यवान गुणों को समृद्ध किया गया और उन्हें अपने राष्ट्रीय कर्तव्यों के प्रति जागरूक किया गया।

पॉडकास्ट

25 नवंबर 2025: केन्द्रीय विद्यालय संगठन की आयुक्त सुश्री प्राची पाण्डेय ने पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय मल्लेश्वरम में विद्यान्जलि पहल के अंतर्गत स्थापित नवनिर्मित के.वि. पॉडकास्ट स्टूडियो का विधिवत उद्घाटन किया। यह स्टूडियो विद्यालय में आधुनिक संचार साधनों को शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। उद्घाटन के तुरंत बाद स्टूडियो अपने पहले रिकॉर्ड किए गए एपिसोड के साथ जीवंत हो उठा, जिसमें आयुक्त सुश्री प्राची पाण्डेय ने पहली अतिथि के रूप में भाग लिया। इस विशेष संवाद सत्र की मेजबानी कक्षा 12वीं की छात्रा कुमारी चिन्मयी ग्राम पुरोहित ने की। सत्र के दौरान उन्होंने आयुक्त से सारगर्भित और प्रेरक बातचीत की, जिसमे नवाचार, डिजिटल रचनात्मकता और विद्यार्थी-नेतृत्व वाले मीडिया प्रयासों पर विस्तृत चर्चा हुई। यह अवसर न केवल विद्यार्थियों में संचार कौशल और मीडिया साक्षरता को बढ़ावा देता है, बल्कि विद्यालय की डिजिटल शिक्षा को नई दिशा भी प्रदान करता है।

वीडियो देखने के लिए स्कैन करें

विचारणीय विचार

"आनंद और खुशी से भरा जीवन केवल ज्ञान और प्रज्ञा (विवेक) के आधार पर ही संभव है।"

~ डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन

नवंबर-2025 की झलकियाँ

बाल दिवस पर मा. राष्ट्रपति से शिष्टाचार भेंट

14 नवंबर 2025: बाल दिवस के अवसर पर केन्द्रीय विद्यालय के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को मा. राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु से मिलने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय विद्यालय, दिल्ली के 10 विद्यार्थियों और तीन शिक्षकों ने राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति महोदया से शिष्टाचार भेंट की। मुलाकात के दौरान राष्ट्रपति ने विद्यार्थियों से आत्मीय संवाद किया और अपने अनुभव, सीख और विचार साझा किए। उन्होंने बच्चों को जीवन में दृष्टिकोण, आत्मविश्वास और भविष्य के सपनों को साकार करने की प्रेरणा दी। केन्द्रीय विद्यालय के विद्यार्थियों के लिए यह मुलाकात अत्यंत प्रेरणादायी रही, जिसने न केवल उनके आत्मविश्वास को बढ़ाया, बल्कि उनके दृष्टिकोण और सृजनात्मक सोच को भी नई दिशा प्रदान की।

विद्यार्थियों की प्रतिभा को पीएम ने सराहा

वाराणसी, 9 नवंबर 2025: वाराणसी में 4 नई वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों के ध्वज-वंदन समारोह के अवसर पर मा. प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र भाई मोदी ने केन्द्रीय विद्यालय के विद्यार्थियों से मुलाकात की और उनसे आत्मीय संवाद किया। यह मुलाकात विद्यार्थियों के लिए अत्यंत प्रेरणादायी रही, जिसने उनके आत्मविश्वास और सृजनात्मकता को नई दिशा दी। प्रधानमंत्री ने विद्यार्थियों से बातचीत के दौरान उन्हें नए भारत के विकास, आधुनिक तकनीक और नवाचारों के प्रति जागरूक रहने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि युवा शक्ति देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है और सृजनात्मक सोच को बढ़ावा देना हर छात्र का कर्तव्य है। इस अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा प्रदर्शित सुंदर एवं कल्पनाशील चित्रों की प्रधानमंत्री ने विशेष सराहना की। उन्होंने छात्रों की रचनात्मकता, अभिव्यक्ति और सकारात्मक सोच की प्रशंसा करते हुए उनके कला प्रयासों को प्रोत्साहित किया।

के.वि.सं. की अपर आयुक्त (शै.) ने किया पीएम श्री के.वि. सेवोक रोड का दौरा

18 नवंबर 2025: केन्द्रीय विद्यालय संगठन की संयुक्त आयुक्त (प्रशि.) सुश्री चंदना मंडल ने पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय सेवोक रोड का दौरा किया। इस अवसर पर उन्होंने विद्यालय की विभिन्न प्रयोगशालाओं का निरीक्षण किया और विद्यार्थियों को नवाचार-आधारित शिक्षण के लिए प्रोत्साहित किया। विद्यालय भ्रमण के दौरान उन्होंने शिक्षकों से भी मुलाकात की और लेट ब्लूमर्स के समर्थन, कार्य-योजना, पुनरावृत्ति तथा एफएलएन पहल की प्रगति की समीक्षा भी की। इसके अतिरिक्त, उन्होंने सिक्किम के मुख्य सचिव, राज्य सरकार के शिक्षा आयुक्त और SCERT–सिक्किम के निदेशक के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक में भाग लिया। बैठक में सिक्किम के सरकारी विद्यालयों (कक्षा 1 से 3) में न्यूमेरेसी प्रोग्राम के विस्तार पर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक में विशेष जोर इस बात पर दिया गया कि के.वि.सं. में पिछले दो वर्षों से सफलतापूर्वक लागू 'जोड़ो ज्ञान एजुकेशन फाउंडेशन मॉडल' को सरकारी विद्यालयों में किस प्रकार विस्तारित किया जा सकता है।

के.वि.सं. और यूनियन बैंक के बीच एमओयू

14 नवंबर 2025: केन्द्रीय विद्यालय संगठन ने यूनियन बैंक ऑफ़ इंडिया के साथ एक महत्वपूर्ण समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। यह कार्यक्रम दिल्ली स्थित के.वि.सं. (मुख्यालय) में दोनों संस्थाओं के वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में संपन्न हुआ। इस समझौता-ज्ञापन के तहत केन्द्रीय विद्यालय संगठन के कर्मचारियों को आकर्षक सुविधाएँ प्राप्त होंगी। विशेष रूप से, यह समझौता-ज्ञापन सैलरी अकाउंट और एकीकृत सैलरी पोर्टल के क्रियान्वयन को सुनिश्चित करेगा, जिससे देशभर के 1,290 केन्द्रीय विद्यालयों में कार्यरत 56,000 कर्मचारियों की वेतन-संबंधित प्रक्रिया अधिक सुगम और सुव्यवस्थित होगी। इसके माध्यम से कर्मचारियों को बेहतर सुविधाएँ, अधिक सुरक्षा, उन्नत डिजिटल सेवाएँ और सहज बैंकिंग अनुभव उपलब्ध कराया जाएगा।

के.वि. रामकोट के प्रथम शैक्षणिक सत्र का उद्घाटन

कठुआ, 17 नवंबर 2025: जम्मू-कश्मीर की शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया। मा. केंद्रीय राज्यमंत्री डॉ. जितेन्द्र सिंह ने कठुआ स्थित केन्द्रीय विद्यालय रामकोट के प्रथम शैक्षणिक सत्र का विधिवत उद्घाटन किया। विद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2025–26 के लिए कक्षा 1 से 5 तक 200 से अधिक विद्यार्थियों का नामांकन हो चुका है। के.वि. रामकोट की स्थापना से न केवल यहाँ तैनात सुरक्षाकर्मियों के बच्चों को उच्च-स्तरीय शिक्षा उपलब्ध होगी, बल्कि स्थानीय निवासियों के बच्चों को भी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का लाभ मिलेगा। यह पहल जम्मू-कश्मीर में शिक्षा के बेहतर अवसर प्रदान करने और क्षेत्र के बच्चों में समग्र विकास सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

के.वि.सं. में भर्ती के लिए हजारों उम्मीदवारों ने किया आवेदन

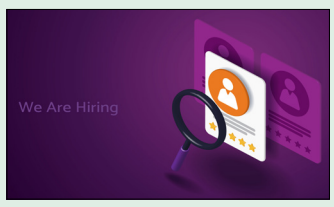

केन्द्रीय विद्यालय संगठन ने नवंबर में शिक्षण और गैर-शिक्षण पदों पर कुल 9,213 रिक्तियों की बड़ी भर्ती का ऐलान किया था, जिसकी ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 14 नवंबर 2025 से शुरू होकर 24 दिसंबर 2025 तक चली। इस दौरान देशभर हजारों इच्छुक उम्मीदवारों ने अपनी शैक्षणिक योग्यता और अनुभव के आधार पर विभिन्न पदों के लिए आवेदन किया।

इन पदों पर नियुक्ति हेतु उम्मीदवारों ने किया आवेदन:

- सहायक आयुक्त — 08 पद
- प्राचार्य — 227 पद
- उप-प्राचार्य — 58 पद
- स्नातकोत्तर शिक्षक (PGT) — 1,465 पद
- प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (TGT) — 2,794 पद
- पुस्तकालयाध्यक्ष — 147 पद
- प्राथमिक शिक्षक (PRT) — 3,365 पद
- गैर-शिक्षण पद — 1,155 पद

यह भर्ती अभियान देशभर के युवाओं के लिए सरकारी सेवा में शामिल होने का एक सुनहरा अवसर रही। चयन प्रक्रिया, आयु सीमा, योग्यता और आवेदन शुल्क से संबंधित विस्तृत जानकारी के लिए उम्मीदवारों को जारी अधिसूचना ध्यानपूर्वक पढ़ने की सलाह दी गई थी।

चमकते सितारे

के.वी. की छात्रा ने तीरंदाजी में रचा इतिहास

धार में आयोजित 22वीं सब-जूनियर राज्य स्तरीय तीरंदाजी प्रतियोगिता में केन्द्रीय विद्यालय गेल झाबुआ की प्रतिभाशाली छात्रा अंशिता सक्सेना ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 2 स्वर्ण और 1 रजत पदक अपने नाम किए। इस उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर अब अंशिता का राष्ट्रीय सब-जूनियर आर्चरी चैंपियनशिप, इटानगर के लिए चयन हुआ है, जोकि के.वि.सं. के लिए अत्यंत गर्व का विषय है।

चित्रकला प्रतियोगिता में जीता नकद इनाम

ऊर्जा संरक्षण के प्रति अपनी सृजनात्मक अभिव्यक्ति और जागरूकता का शानदार प्रदर्शन करते हुए पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय डिंडोरी की प्रतिभाशाली छात्रा श्रेया ठाकुर ने भोपाल में आयोजित राज्य स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता में ₹ 2000 का नगद पुरस्कार प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया। यह प्रतियोगिता भारत सरकार के विद्युत मंत्रालय की ऊर्जा संरक्षण पहल के अंतर्गत आयोजित की गई थी, जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों में ऊर्जा संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना था।

कराटे चैम्पियनशीप में गोल्ड पर कब्जा

केन्द्रीय विद्यालय नेहू शिलांग के प्रतिभाशाली विद्यार्थी युवराज मुनीश त्यागी ने अपने उत्कृष्ट कौशल और दृढ़ प्रतिस्पर्धी भावना का परिचय देते हुए 5वीं पश्चिम क्षेत्र कराटे प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतकर विद्यालय और क्षेत्र का गौरव बढ़ाया। युवराज ने यह पदक जूनियर कुमिते 76 + किग्रा भारवर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए हासिल किया। उनकी यह उपलब्धि न केवल उनकी कठोर मेहनत और समर्पण का परिणाम है, बल्कि के.वि. के खेल प्रोत्साहन के उत्कृष्ट वातावरण को भी दर्शाती है।

राष्ट्रीय स्तर पर के.वि. का परचम लहराया

भारत के पूर्व प्रधानमंत्री मा. श्री पी. वी. नरसिम्हा राव के जीवन, नेतृत्व और योगदान पर आधारित निबंध प्रतियोगिता का सफल आयोजन प्रधानमंत्री संग्रहालय एवं पुस्तकालय द्वारा किया गया। इस प्रतियोगिता में केन्द्रीय विद्यालय के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रतिभा और गहन अभिव्यक्ति कौशल का प्रदर्शन करते हुए शीर्ष स्थान प्राप्त किए।

प्रथम पुरस्कार
प्राची
पीएम श्री के.वि. से. 8 आर. के. पुरम

द्वितीय पुरस्कार
नियति शाण्डिल्य
पीएम श्री के.वि. गोल मार्केट

तृतीय पुरस्कार
मनीषा
डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय विद्यालय

पैरा स्विमिंग चैंपियनशिप में छाए अनिकेत

पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय एजीसीआर कॉलोनी, दिल्ली के प्रतिभाशाली छात्र अनिकेत झारोलिया ने 25वीं राष्ट्रीय पैरा स्विमिंग चैंपियनशिप 2025–26 में शानदार प्रदर्शन करते हुए 3 स्वर्ण पदक अपने नाम किए। हैदराबाद में देश भर से आए उत्कृष्ट पैरा तैराकों के बीच प्रतिस्पर्धा करते हुए अनिकेत ने अद्भुत कौशल, दृढ़ संकल्प और उत्कृष्ट खेल भावना का परिचय दिया।

चित्रकला में मेघना ने जीता नकद पुरस्कार

ऊर्जा दक्षता ब्यूरो, विद्युत मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित "ऊर्जा संरक्षण" विषयक राज्य स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता में केन्द्रीय विद्यालय गढ़ा की प्रतिभाशाली छात्रा मेघना पटेल ने प्रोत्साहन पुरस्कार प्राप्त कर के.वि.सं. परिवार को गौरवान्वित किया। प्रतियोगिता में अपने उत्कृष्ट कौशल और नैपुण्य का प्रभावी प्रस्तुतीकरण करते हुए उन्होंने ₹ 7500 का प्रथम पर पुरस्कार जीता।

शिक्षिका बनीं पॉवरलिफ्टर

एपमी पावरलिफ्टिंग संगठन द्वारा आयोजित पावरलिफ्टिंग प्रतियोगिता में पीएम श्री केन्द्रीय वेद्यालय छतरपुर में भौतिक विज्ञान की स्नातकोत्तर शिक्षिका डॉ. प्रीति रैना ने अपने बल का शानदार प्रदर्शन करते हुए विद्यालय एवं समस्त के.वि.सं. परिवार को गौरवान्वित किया। उन्होंने पावरलिफ्टिंग के 52 किलोग्राम भार वर्ग में श्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। डॉ. प्रीति रैना ने इस उपलब्धि के साथ स्पष्ट किया कि दृढ़ निश्चय शक्ति से अपने सपनों को साकार किया जा सकता है।

69वें राष्ट्रीय स्कूल गेम्स 2025-26

69वें राष्ट्रीय स्कूल गेम्स में केन्द्रीय विद्यालय आर.डब्ल्यू.एफ येलहंका के प्रतिभाशाली छात्र सूर्या जे.एस ने अपने उत्कृष्ट खेल कौशल का प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीतकर विद्यालय और क्षेत्र का गौरव बढ़ाया। सूर्या ने यह उपलब्धि ताइक्वांडो (अंडर-19 छात्र, 59 किग्रा भारवर्ग) में अपने शानदार प्रदर्शन के दम पर हासिल की।

69वें राष्ट्रीय स्कूल गेम्स 2025-26 में पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय क्र.1 कंकरबाग, पटना के प्रतिभाशाली विद्यार्थी मंजीत सिंह ने अपनी अद्भुत शक्ति, चपलता और उत्कृष्ट प्रतिस्पर्धी भावना का प्रदर्शन करते हुए ताइक्वांडो (अंडर-19 छात्र, 78+ किग्रा भारवर्ग) में स्वर्ण पदक जीतकर विद्यालय एवं समस्त के.वि.सं. परिवार को गौरवान्वित किया।

69वें राष्ट्रीय स्कूल गेम्स में केन्द्रीय विद्यालय संगठन की टीम ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए ओवरऑल चैम्पियन का खिताब अपने नाम किया। इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता के अंडर-19 बालिका ताइक्वांडो वर्ग में के.वि.सं. की छात्राओं ने टीम भावना, अनुशासन और शानदार खेल कौशल का परिचय देते हुए कुल 4 पदक (1 स्वर्ण और 3 रजत) जीते। अपनी प्रभावशाली प्रदर्शन श्रृंखला के दम पर टीम ने कुल 22 अंक अर्जित किए और प्रथम स्थान प्राप्त किया।

पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय एससीआर नांदेड़ के दो होनहार एवं प्रतिभाशाली विद्यार्थी आरुषि दीपक कदम और अनिकेत ध्यानोबा नागरगोजे ने अपने उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन से के.वि.सं. का गौरव बढ़ाया। आरुषि और अनिकेत ने 69वें राष्ट्रीय स्कूल गेम्स 2025-26 में अंडर-14 आयु वर्ग की मिक्स्ड टीम आर्चरी प्रतियोगिता में अपने खेल कौशल का अनुकरणीय प्रदर्शन करते हुए रजत पदक जीतकर उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की।

संरक्षक: प्राची पाण्डेय, आयुक्त, के.वि.सं.
प्रधान संपादक: चंदना मंडल, अपर आयुक्त (शै.)

संपादक मंडल: डि. मणिवण्णन, संयुक्त आयुक्त (शै.)
रत्ना पाठक, सहायक शिक्षा अधिकारी
सचिन राठौर, सहायक संपादक

सहभागी: समस्त केन्द्रीय विद्यालय

सभी संभाग अपनी टिप्पणी और विशेष स्टोरी निम्न मेल आईडी पर भेज सकते हैं:
kvschronicle@gmail.com

© केन्द्रीय विद्यालय संगठन
यह ई-प्रकाशन केवल आंतरिक वितरण हेतु के.वि.सं. (मु.) द्वारा प्रकाशित।